Chapter 2

हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथ

Kesha Ram Chouhan, Department of Hindi
Shri Jain Terapanthi College, Ranawas, Pali

अन्य प्रसिद्ध इतिहासकार एवं हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथ :–

1. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–
   १ हिंदी साहित्य उद्‌भव एवं विकास–1952 ई.
   २ हिंदी साहित्य की भूमिका 1940 ई.
   ३ हिंदी साहित्य का आदिकाल–1953 ई.

इन्होंने आदिकाल को अत्यधिक विरोधों एवं व्याघातों का युग कहा है।

काशी हिंदू विश्व विद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी पत्रिका के संपादक और उत्तरप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष के रूप में इनकी सेवाएं सराहनीय रही है।

प्रसिद्ध कथन – तुलसी दास जी की समन्वय भावना पर लिखा – ''भारत का लोकनायक वही हो सकता है जो समन्वय करें। ''

2. डॉ. नगेन्द्र–
   १ हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास– 10 भाग– 1973 ई.
   २ हिन्दी साहित्य का इतिहास
   ३ रीति काव्य की भूमिका
3. डॉ० राम कुमार वर्मा– हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –1938

अपभ्रंश के पहले कवि – स्वयं भू को हिन्दी का पहला कवि मानते हैं।

भक्तिकाल की निर्गुणी ज्ञानाश्रयी काव्य धारा को संत काव्य एवं प्रेमाश्रयी काव्यधारा को सूफी काव्य कहकर पुकारते है।

4 डॉ० रमाशंकर शुक्ल रसाल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
प्रकाशन वर्ष 1931 ई.
साहित्य प्रकाश –1931 ई.
साहित्य परिचय– 1931 ई.

इन्होंने आदिकाल को जय काव्य काल एवं रीति काल को कला काल कहकर पुकारा।

5 डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त–

हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड) – प्रकाशन 1865 ई.

ये जैन कवि शालिभद्र शूरि को हिन्दी साहित्य का पहला कवि मानते हैं।

6 . श्याम सुंदर दास–
   १ हिन्दी कोविंद रत्न माला 1909 व 1914 ई.
   २ हिन्दी भाषा साहित्य– 1920 ई.

डॉ० बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दुसरा इतिहास – 1996

नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास 1931 ई .

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय– हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास

रमाशंकर प्रसाद– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास 1930 ई.

रामखिलावन पाण्डेय –हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : एक संरचनात्मक पुनर्विचार– 1969 ई.

शिवराज वर्मा– हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास –1962

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – पुरानी हिन्दी

ISBN: 978-93-344-1269-7

श्री कृष्ण शंकर शुक्ल– आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास 1934

श्री राम नरेश त्रिपाठी– हिन्दी का संक्षिप्त इतिहास – 1923

अंग्रेजी भाषा में लिखे जाने वालें हिन्दी साहित्य का इतिहास ग्रंथः–

A sketch of hindi literature – पादरी एडविन ग्रीन – 1917

A History of hindi literature – पादरी F.E.K.E - 1910

संस्थाएं –

बंगाल एशियाटिक सोसायटी –1784

सर विलियम जेम्स।

नागरी प्रचारिणी सभा काशी – 1893

हिन्दी का आदि कवि– प्रथम कवि –

1. सरहपाद –769 ई – को प्रथम कवि राहुल सांकृत्यायन ने माना।
2. पुष्य या पुण्ड – 10 वीं शताब्दी– शिवसिंह सेंगर के अनुसार।
3. शालिभद्र शूरि 1184 ई.– डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त के अनुसार।
4. स्वयंभू– 693 ई. डॉ० राम कुमार वर्मा के अनुसार।
5. अब्दुल रहमान 13 वी शताब्दी – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार।
6. विद्यापति – 15 वीं शताब्दी –डॉ० बच्चन सिंह के अनुसार।
7. राजा मुंज – 993 ई. –चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के अनुसार।
8. राजा मुंज व भोज– 993 ई. –आचार्य रामचंद्र शुक्ल सर्वमान्य मत से राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा मान्य प्रथम कवि सरहपा या सरहपाद को माना जाता है।

ISBN: 978-93-344-1269-7